अवध के बिहारी | Devi Sangeeta Kishori

जादू कर गयो रे अवध के बिहारी
संग में सोहे सिया सुकुमारी
जोड़ी लगे अति प्यारी हाँ प्यारी हाँ प्यारी हाँ प्यारी
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

कंचन भवन की छठा निराली
चारो तरफ छाई खुशहाली
नाच रही देखो नगर निराली
हाथों में देके मधुकर ताली
हो सबको छाई अजब खुमारी
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

राघव पिया की सुन्दर सुरतिया
अधर धरे प्रभु मंद मुस्कनिया
हिय में बसाऊं मैं तो प्यारी मूरतिया
नित नित लूँ मैं तो वा की बलैयां
हो मैं तो तन मन उनपे वारी
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

जनम जनम के दु:ख मिट जाते
एक बार जो अवध आ जाते
राम दरश से भाग्य जगाते
हो सबकी आस करे वो पूरी
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a7-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-devi-sangeeta-kishori/